आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

गलिचा दोडू (खडी) (हथकरधा)

यरकेत स्वय सहायता समूह

बी. एम. सी. सब कमेंटी रंगरिक

एस.एच.जी. नाम	: :	यंरकेत
वी.एफ.डी.एस.नाम	: :	रंगरिक
एफ . टी .यू / रेज	: :	काजा
डी.एम.यू. /मंडल	: :	स्पिति
एफ .सी . सी. यू /सर्किल	: :	शिमला

हिमाचल प्रदेष वन परितन्त्र प्रबंधन एव आजीविका सुधार परियोजना

जाईका वित्तपोषित

अनुक्रमणिका

क.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सांराष	1-2
2	परिचय	3
3	स्वय सहायता समूह की सूची	4
4	समूह का विवरण	5
5	ग्रम की भौगोलिक स्थिति	6-7
6	आय सृजन गतिविधि उत्पादन का विवरण	8
7	उत्पादन की प्रक्रिया	8
8	उत्पादन हेतु नियोजन	9
9	बिक्री का विवरण	10
10	समूह के मध्यप्रबंधन कर विवरण	11
11	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	12
12	उद्यम हेतु अनुमानित लागत	13-15
13	उद्यम हेतु लागत लाभ विषेलेषण	16
14	समूह की वितिय आवष्यकता	17
15	समूह की वितिय संसाधन	17
16	**सम विचछेदन बिंदु की गणना (ब्रेक इविन प्वांइट)**	17
17	स्वय सहायता समूह के नियमों की सूचि	18
18	समूह का सहमती पन्न	19
19	समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्रफ	20

1. परिचय

हिमाचल प्रदेष के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाडी राज्य है।जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए पसिद्ध है। हिमाचल प्रदेष की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी बडी नंदिया व घाटिया प्रदेष की सुंदरता को बढाती है प्रदेष की कुल आबदी 30 लाख है। इस का भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो कि ष्विालिक पहाडियो के ऊपरी हिमालय के षीत मरूस्थ्ल तक फैला हुआ है। यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल के 12 जिलो में स्पिति जिला पर्यटन कृषि व जड़ी बूटी के लिए प्रसिद्ध है।

गांव रंगरिक डा, रंगरिक तहसील स्पिति जिला लाहौल स्पिति हिमाचल प्रदेष में स्थित है जिले की घाटियो को भैतिक सरचना के आधार पर तरह तरह के नाम दिये गए है जिस में एक नाम रंगरिक है। रंगरिक स्पिति मुख्यालय से 8 किलोमीटर की दुरी पर है।

गांव रंगरिक मे लोगो का मुख्य व्यवसाय कृषि बागवानी है। अधिकतर लोगो के पास बहुत का जमीन है जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह अच्छे ढ़ग से नहीं हो पा रहा है।

जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नगदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते है गांव मे लोग बुनाई का कार्य भी कर रहें है। पंरतु उत्पादन पांरपरिक तरीके से होता है।इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है इस समस्या को दुर करनें के लिए व उत्पादको का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उतम किस्म के यंत्रो के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है। उनकी जानकारी की आवष्यकता है।

हिमाचल प्रदेष वन परितंत्र एंव प्रंबधन एंव आजीविका सुधार परियोजना ने गांव मे ग्रम वन समिति रंगरिक के गठन के बाद लोगो को आजीविका के साधन बढाने के लिए समूह में कार्य करने के बोरे में बताया परियोजना के माध्यम से रंगरिक में 02 स्वय सहायता समूहों का गठन मेंतोक स्वय सहायता समूह व यरकेत स्वय सहायता समूह के रूप में किया गया इसके बाद यरकेत स्वय सहायता समूह ने खड़ी का कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 09 सदस्या षामिल हुए।

यरकेत स्वय सहायता समूह का फोटोग्राफ

स्वय सहायता समूह का विवरण

2.1	समूह का नाम	यरकेत स्वय सहायता समूह
2.3	ग्रम वन विकास समिति	रंगरिक
2.4	वन परिक्षेत्र क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	काजा
2.5	वन मंडल मंडडलीय प्रबंधन इकाई	स्पिति
2.6	गांव	रंगरिक
2.7	विकासखड़	काजा
2.8	जिला	लाहैल स्पिति
2.9	समान सूची समूह में कुल सदस्यो की संख्या	09
2.10	स्मूह की गठन की तिथि	08/01/2022
2.11	बैक खाता सख्या	50071465701
2.12	बैक का नाम और ष्षाखा जंहा समूह का खाता संचलित है।	कांगडा बेक काजा (kangra bank Kaza)
2.13	स्वय सहायता समूह की मासिक बचत	100
2.14	कुल बचत	
2.15	सदस्यो को आपस में दिया गया ऋण	
2.16	नगदी जमा करनें की सीमा	07
2.17	चुकौती की स्थिति	6 महीने

3. ग्राम की भैगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	08 किलोमीटर लगभग
3.2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	काजा 08 किलोमीटर लगभग
3.4	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	काजा
3.5	08 किलोमीटर लगभग	काजा 08 किलोमीटर लगभग
3.6	मुख्य षहरो के नाम जहां उत्पादन का विक्रय विपणन किया जाएगा	काजा, रामपुर, कूल्लू, मनाली।
3.7	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के संबध मे गांव की कोई विषेष सूचना	कृषि बागवानी गलिचे व दोडु बनाते है।
3.8	पिछले पूर्व और आगामी संपर्को की स्थिति	लगातार बैठकर की जा रही है और Handloom & Carpethandloom कीजानकारी साझा की जा रही है

(1) व्यवसाय योजना की आवष्यकता

ग्राम वन विकास समिति रंगरिक में महिलाओं का पहले से गठित समूह है जिस मे समूह की सभी महिलाएं बुनाई का कार्य करके अपनी आजीविका को बढ़ाना चाहती है। इसलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से बुनाई की मषीन प्रदान करने तथा उचित प्रषिक्षण की मांग की है।

(1) व्यवसाय योजना के उदेष्य

समूह की सभी सदस्यो की क्षमता का निमार्ण करना।
समूह के लिए निंरतर आय के साधन उपलब्ध करना।
उत्पादन को उचित बाजार से जोड़ना।
सभी सदस्यो को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना।
बुनाई व्यवसाय की नवीनतम एंव आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना।
आजीविका की बढोतरी।

(2) व्यवसाय योजना में निम्न कार्य षामिल है।

खड़ी में गलिचे व दोडु का कार्य षामिल है

(4) सामुदायिक गतिषीलता

इसके अंतर्गत ग्रामिणो में जागरूकता एंव सामुदायिक गतिषीलता के उपरान्त आजिवीका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थी कर छटनी की गई हैं।

(1) समूह का निमार्ण

स्व्य सहायता समूह के सदस्यो को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया तथा समूह का अध्यक्ष सचिव का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है। समूह के सदस्यो की सहमती से समूह के लिए नियम व षर्ते निधारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है।

(3) क्षमता का निमार्ण

लाभार्थी की क्षमता निमार्ण हेतु उनका उचित प्रषिक्षण करवाया जाना आवष्यक है।

(7) बुनाई मषीन इत्यादि का वितरण

समूह के सभी सदस्यो को अच्छी किस्म की मषीनें उपलब्ध करवाई जाए ताकि अच्छे ढग से कार्य कर सके।

(8) बाज़ार से जोड़ना :

अपने उत्पादन बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व निजी सोसाइटी से उचित षर्ते के साथ संबध स्थापित करने के लिए तैयार है व्रिकय के लिए लोकल बाजरों के दुकानदारो से जोड कर मेलो में प्रदर्षनी लगााकर आय कमाने हेतु जोडा जाएगा।अधिक उत्पादन होने पर कूल्लू व रामपुर बजार के क्षेत्र में दुकानदारो से जुड कर कार्य करेगी।

9) वितिय संस्थानो एंव संबधित विभागो से जोडना

व्यवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितिय संस्थानो से जोडने का प्रयास किया जाएगाा तथा उन्हें विभ्न्नि बैको द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओ से अवगत करवाया जाएगाा तथा परियोजना द्वारा बैकों से जोडा जाएगा।

(10) बाज़ार की जानकारी :

काजा, रामपुर ,कूल्लू, मनाली के क्षेत्रो मे दुकानदारो के साथ जुड कर कार्य करेगी।

11) अपेक्षित सहायता एंव संसाधन

वितीय प्रबंध (पूंजीगत व्यय का 75% श्रेणी बार परियोजना द्वारा सहायता दी जाएगी ष्षेष 25% सदस्य द्वारा वहन किया जाएगा।

कुलः 09 सदस्य

तकनीकी : तकनीकी सहायता गॉव में ही मास्टर टेनर लगााकर परियोजना द्वारा उचित प्रष्क्षिण का प्रावधान परियोजना द्वारा दिया जाएगाा।

(12) अनूमानित लाभ :

मिहलायों के लिए घरेलु रोजगार उपलब्ध होगा।
समूह के सभी सदस्यो के लिए आजीविका वर्धन का दीर्घ कालीन एंव निंरतर साधन उपब्ध होगा।
समूह की महिलाएं इस कार्य को खाली एंव अतिरिक्त समय में कर सकती है।

5. आय सृजन गितिविध से संबंधित उत्पादन का वितरण

4.1	उत्पान का नाम	गलिचा दोडू।
4.2	उत्पादन की पहचान की पद्धति	सभी सदस्य पहले से खड़ी का कार्य करते है।
4.3	स्वय सहायता समूह समान सूची समूह सदस्य की सामूहिक सहमति	हां।

6. उत्पादन की प्रकियाओं का विवरण

सर्वप्रथम स्वय सहायता के सदस्यो को परियोजना द्वारा कोटी स्वेटर जुराबे बेबी सेट टोपी मफलर आदि का प्रषिक्षण दिया जाएगा। प्रषिक्षण के उपंरात समूह के सदस्य द्वारा उत्पादन तैयार करने में निम्न प्रकिया की जाएगी।

जुराबे, टोपी व मफलर, तैयार करने की मशीने लगवाएगें इससे समय और उत्पादको की मजदुरी दर का खर्चा कम होगा

समुह की सभी सदस्य मील कर अपना कार्य को करेगी ।
समूह में सभी सदस्य विपणन करेंगी और कच्चा माल भी लाएगीं।

प्रषिक्षण के उपरांत समूह द्वारा निम्नलिखित उत्पादनो का कार्य किया जाएगा जिसका विवरण इस प्रकार से है।

गलिचा :-

ग्राम वन विकास समिति काजा में महिलाओं का समूह गठित किया गया।जिसमें समूह की सभी महिलाएं गलिचे का कार्य करके अपनी आजीविका को बढ़ाना चाहती है। तथा विभिन्न तरह के गलिचे सभी महिलाएं मिल कर बनाएगी। और प्रतिदिन 5 से 6 घण्टें कार्य करगी।

दोडु :–

ग्राम वन विकास समिति काजा में महिलाओं का समूह गठित किया गया।जिसमें समूह की सभी महिलाएं दोडु का कार्य करके अपनी आजीविका को बढ़ाना चाहती है। तथा विभिन्न तरह के दोडु सभी महिलाएं मिल कर बनाएगी। और प्रतिदिन 5 से 6 घण्टें कार्य करगी।

7, उत्पादन हेतु नियोजन

प्रति माह कार्य दिवस		30
प्रति माह काम करने वाले व्यकित	:	09
कच्चे माल का स्त्रोत्र	:	काज
अन्य संसाधनों का स्त्रोत्र	:	वुल्लू

	उत्पादन चक्र दिनों में 30 दिन प्रतिदिन 5– 6 घटें कार्य करेगी ।	10 गलिचे 10 दोडु
	प्रति चक्र कार्यकताओं की आवष्यकता संख्या	समूह की सभी सदस्य मिलझुल कर कार्य करेगे।
	कच्चे माल के स्त्रोत	काजा, कूल्लू, मनाली,रामपुर
	अन्य संसाधन का स्त्रोत	काजा, कूल्लू, मनाली , रामपुर

नोट : स्वय सहायता समूह के प्रषिक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाता है।तथा इस व्यवसाय योजना मे ष्षामिल नहीं है।

8 बिक्री का विवरण

1.	सम्भावित बाजारों स्थलो के नाम	काजा, कूल्लू, मनाली , रामपुर
2.	उत्पादन की बिक्री हेतु गांव से दुरी	काजा : 08 कूल्लु : 250 रामपुर : 280 मनाली : 230
3.	बजार में उत्पादन की अनुमानित मांग	गलिचे व दोडु
4.	बजार को चिन्हित करने की प्रक्रिया	लोकल बाजारों को चिन्हित किया गया है। जैसे की काजा कूल्लु रामपुर मनाली
5.	मौसम में परिवर्तन के अनुसार उत्पादन की मांग की स्थिति	मांग के अनुसार उत्पादन घटाया या बढाया जाएगा।
6.	उत्पादन के संभावित खरीदार	स्थानीय निवासी
7.	क्षेत्र में सभावित उपभोक्ता	गॉव व षहर की महिलाएं पुरूष

8.	उत्पादन का विपणन तंत्र	सीधा सम्पर्क दुकानदारों से और गॉव की महिलाऐं और पुरषों के कोटी स्वेटर बेबाी के सेट टोपी जुराबे इत्यादि की बुनाई।
9.	उत्पादन के विपणन हेतु रणनीति	, गलिचे व दोडु की बुनाई इत्यादि। 2, समूह कार्य की निपुणता के आधार पर सदस्यों का चयन किया जाएगा।

9. समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण :

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जांएगे।
समूह के सदस्य आपसी सहमती से कार्य करगी |
कार्य कुषलता एंव क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएंगा।
विपणन करने वाले सदस्य को कुल 5% कमीषन दी जाएंगी।
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्याकन एंव आवलोकन समय समय पर करते रहेगे।

षक्ति दुर्बलता अवसर तथा चुनौती का विष्लेषण ।

षक्ति :

महिलाओं मे कार्य करने की लगन है।
पहले से ही सभी महिर्लो का काम करती है।
समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता :

महिलाऐं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती है।
कार्य के लिए 5 या 6 घण्टें ही निकाल पाना।

अवसर

हिमाचल प्रदेष वन परितंत्र प्रबधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रषिक्षण से कुषलता व क्षमता में बढोतरी होगी।
उत्पादको की लोकल व षहरों में मांग है।
काजा , कूल्लु, रामपुर,मनाली , चंद्रताल ,पर्यटक स्थल है।
अच्छे उत्पादन तैयार करना।

चुनौती

बजार की स्थिति को ना समझना।
अन्य उत्पाद केंद्रो से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से ताल मेल की कमी।
अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यो में व्यवस्था।

10. संभावित चुनौतियों तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण।

क,स	जोखिम / चुनौतियों का विवरण		जोखिम कम करने के उपाय
1.	**बजार की स्थिति को ना समझना।**	::	समय-समय पर बाजार की मांग केअनुसार चलना।
2.	अच्छे उत्पादन तैयार ना करना।	::	उपभोक्ताओं के मनपंसद उत्पाद तैयार करना।
3.	अन्य उत्पाद केंद्रो से प्रतिस्पर्धा।	::	अन्य उत्पाद केद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व षुरू में कम लाभ कमाना।
4.	**उपभोक्ताओं से ताल मेल की कमी।**	::	उपभोक्ताओं से हमेषा संपर्क में रहना।
5.	कृषि बागवानी व पशुपालन कार्यो में ज्यादा व्यवस्था।	::	कृषि बागवानी व पशुपालन और घर के कार्य के साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6.	समूह में बंटवारा	::	समूह में बंटवारा कुषलता व क्षमता के आधार पर करना।
7.	उत्पादन की गुणवता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	::	गुणवता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मांपदंड रखने होगे।

11. उद्यम हेतु अनुमानित लागत एंव उत्पादन के व्रिकय मूल्य की गणना।

1) पूंजीगत व्यय।

कमांक	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय	परियोजना अंष 75%	लाभार्थी अंष 25%
01	गलिचा :-	05	14000	70000	52500	17500
02	दोडू	04	15000	60000	45000	15000
	योग			130000	97500	32500

उपरोक्त पूंजीगत व्यय का लाभार्थी अंष नगदी के रूप में स्वय वहन करेगें।

2) आवर्ती व्यय (एक चक्र के लिए) एक महीना लिया गया है।

कमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराषि
	गलिचा				
1	कच्चा माल घागा	किलोग्राम	90	400	36000
3	सुतर घागा	किलोग्राम	50	300	15000
4	मजदूरी	दिन	30	350	10,500
5	अन्य खर्चा पेकेंज,स्टीकर,बिजली कमरा, किरया खर्चा इत्यादि			L/S	4000
6	**कुल**				**65500**

कमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराषि
	दोडू				
1	कच्चा माल घागा / ताना	किलोग्राम	20kg	700	14000
3	बाना घागा	किलोग्राम	20kg	300	6000
4	मजदूरी	दिन	30	350	10,500
5	अन्य खर्चा पेकेंज,स्टीकर,बिजली कमरा, किरया खर्चा इत्यादि			L/S	4000
6	**कुल**				**34500**
	योग				**100000**

4) उत्पादन की लागत

क्र0स0	विवरण	धनराशी
1	कुल आवती लागत	100000
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	1083
	योग	**101933**

5) विक्रय मूल्य की गणना

क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**दर**	**धनराषि**
	उत्पादन की लागत				
	गलिचे	नंबर	12	4000	48000
	दोडू	नंबर	12	7000	84000
	कुल				**132000**

उत्पादन की अनुमानित विक्रय

	गलिचे		12	8000	96000
	दोडू		12	14000	168000
	कुल		24 नग		**264000**

निरधरित लाभ (प्रतिशत में)

	गलिचे	80%	12	3200	38400
	दोडू	60%	12	4200	50400
	कुल		24 नग		**88800**

12. उद्यम हेतु लागत – लाभ विषलेष्ण (एक चक्र के लिए)

क्रमांक	मद	धनराशी
	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	1083
	आवर्ती व्यय	100000
	योग	101083
	कुत उपात्दन	प्रति माह /24 नग
	उपात्दन विक्रय मूल्य प्रतिमाह /	264000
	उत्पादन की Handloom & Carpethandloom से आय	88800
	कुल लाभ =ब्रिकी मूल्य -**(पूंजीगत मूल्य ह्रास +आवत्री मूल्य)** =264000-(1083+100000)	162917
	उपात्दन की गालिचे से सकल लाभ **=** कुल लाभ **+मजदूरी+** कमरा, किरया **162917**+21000+4000	187917

यह धनराषी मजदूरी व किराये की धनराषी के अतिरिक्त है ।

13. धन की आवष्यकता

समूह की वितीय आवष्यकता

क्रमांक	मद	धनराशी
1	परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 75% अनुदान	97500
2	लाभार्थी अंष 25% पूंजीगत व्यय	32500
3	अन्य व्यय	**8000**
	योग	**138000**

14. सम विंच्छेदन बिन्दु**(ब्रेक इविन प्वाइट) की गाणना**

ब्रेक इविन प्वाइट = पूंजीगत व्यय/ विक्रय मूल्य – आवर्ती व्यय

=130000 / 264000- 132000

= 130000 / 132000

=1.23 माह = 1.23×30= 37 **दिन (लगभग 37 दिन)**

अतः लगभग 37 से 50 दिनों मे सम विच्छेदन बिन्दु प्राप्त किया जाएगा ।

समान रुची समूह के नियमों की सूचि

1. समूह का काम : गालिचा व दोडु हथकरघा
2. समूह का पता : गाँव रंगाकि , डाकघर रंगरिक, तहसील सिपिति जिला लाहौल सपिति हिमाचल प्रदेश।
3. समूह के कुल सदस्य : 09
4. समूह की पहली बैठक की तिथि ; 13.04.2022
5. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा।
6. समूह की मासिक बैठक हर माह की 1 तिथि को होगी।
7. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राषि को समूह में जमा करेगें।
8. स्वंय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा।
9. स्वंय सहायता समूह का खाता हिमाचल प्रदेश KCCB KAZA शाखा में खोला है खाता संख्या नंबर 50071465701 है।
10. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी।
11. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस महिला को समूह से निकाल दिया जाऐगा।
12. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा।
13. भविष्य में स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें।
14. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा।
15. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें।
16. अगर सदस्य किसी कारणव समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
17. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी।
18. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए।
19. स्वंय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए।
20. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी।
21. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए।
22. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा राशी समूह में बांटी जाएगी।
23. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी

सहमति प्रत्र

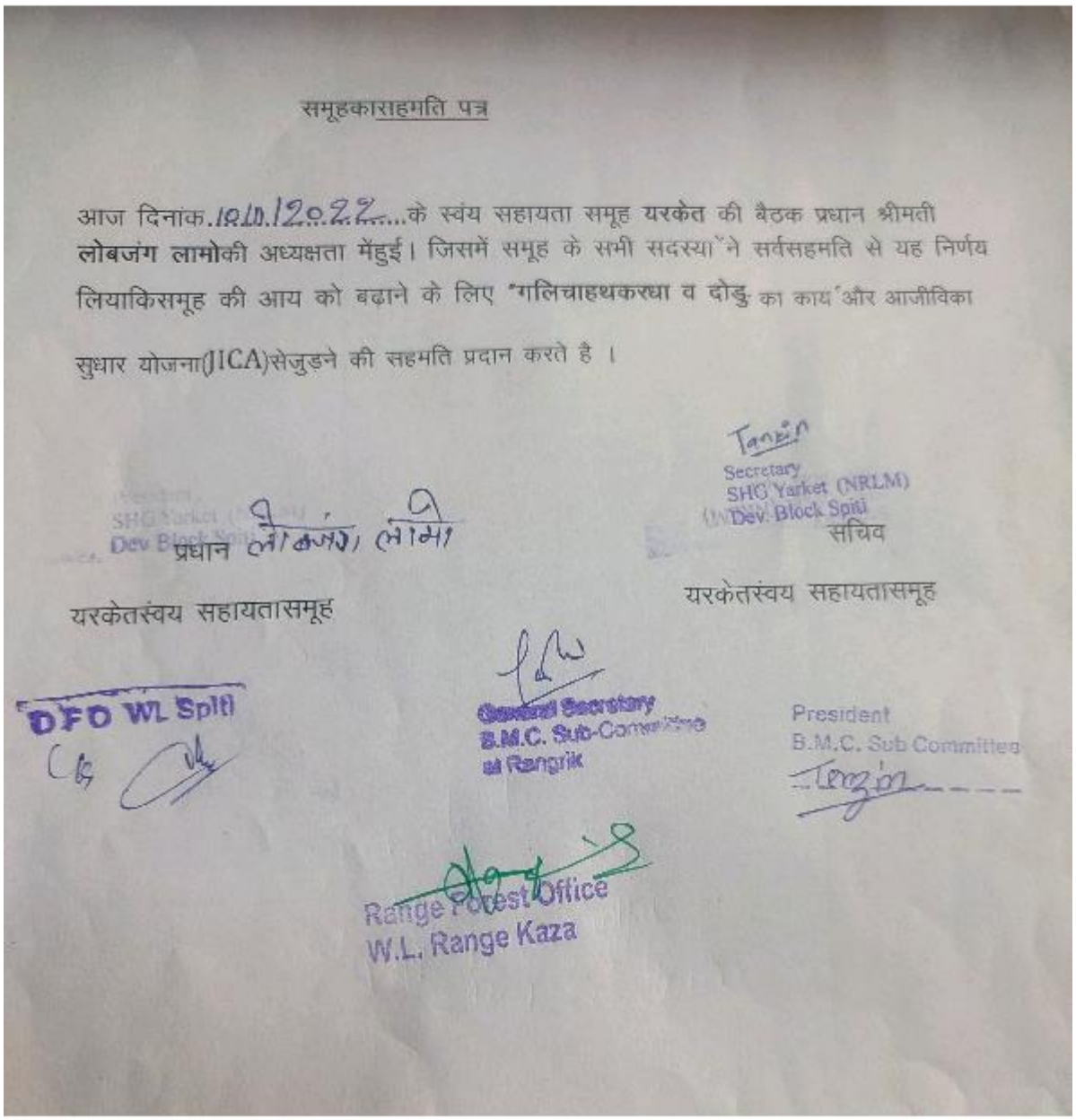

समूहकासहमति पत्र

आज दिनांक.10.10.2022.....के स्वंय सहायता समूह **यरकेत** की बैठक प्रधान श्रीमती **लोबजंग लामो**की अध्यक्षता मेंहुई। जिसमें समूह के सभी सदस्या"ने सर्वसहमति से यह निर्णय लियाकिसमूह की आय को बढ़ाने के लिए "**गलिचाहथकरधा व दोड़ु** का काय"और आजीविका सुधार योजना(JICA)सेजुड़ने की सहमति प्रदान करते है ।

Tanzin
Secretary
SHG Yarket (NRLM)
Dev. Block Spiti
सचिव

यरकेतस्वंय सहायतासमूह

President
SHG Yarket
Dev Block Spiti
प्रधान लोबजंग लामो

यरकेतस्वंय सहायतासमूह

DFO WL Spiti

General Secretary
B.M.C. Sub-Committee
at Rangrik

President
B.M.C. Sub Committee
Tenzin

Range Forest Office
W.L. Range Kaza

देचन अगमो	डोलमा यगचेन	लोबजग छोडोन
लोबजग देचन	लोबजग डोलकर	लोबजग लाछो
त्नजिन	नमज्ञाल	लोबजग